PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 060
दि. 29.06.2026, सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सेशेल्स के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी, भारतीय सैन्य टुकड़ी ने किया मार्च

(जीएनएस)।

विक्टोरिया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बने। यह सम्मान पाने वाले वह पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी से मुलाकात कर स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल विकास, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने सेशेल्स दौरे के दौरान रविवार को देश के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह पहली बार है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री को सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने का सम्मान मिला। इस अवसर पर भारतीय नौसेना और सेना की संयुक्त मार्चिंग टुकड़ी ने परेड में हिस्सा लिया।

भारतीय नौसेना के बैंड ने भी अपनी प्रस्तुति दी। भारत की ओर से

विशेष सम्मान के तौर पर युद्धपोत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षाक पोर्ट विक्टोरिया पर तैनात किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की जनता को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

पैट्रिक हर्मिनी के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल परिवर्तन, सतत विकास, सामाजिक बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई।

इस बैठक में हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने अवैध मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी और समुद्री डकैती जैसी चुनौतियों से मिलकर निपटने पर जोर दिया। भारत द्वारा घोषित विशेष आर्थिक पैकेज के तहत चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर भी संतोष व्यक्त किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सेशेल्स की विकास संबंधी प्राथमिकताओं में हरसंभव सहयोग देता रहेगा और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भरोसेमंद और मजबूत संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क की मरम्मत में हुई लापरवाही तो ठेकेदार और अधिकारी जाएंगे जेल, आगरा में सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

आगरा , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मंडलायुक्त सभागार में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की मंडलीय समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन या अन्य कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही मिलने पर ठेकेदार और संबंधित अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराकर उन्हें जेल भेजें। हर हाल में कार्यदायी संस्था और ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाए।

बैठक में सीएम योगी के समक्ष जनप्रतिनिधियों ने सड़क खोदकर छोड़ने और घटिया मरम्मत कार्यों की शिकायत की। इसके बाद सीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाही बरतने वालों खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश संबंधित जिलों के डीएम को दिए। सीएम ने कहा कि आगरा एक मेट्रो शहर है, इसलिए यहां पानी, सड़क, सीवर, और सौंदर्यीकरण जैसी मूलभूत सुविधाएं मेट्रो सिटी के मानकों के अनुरूप होनी चाहिए।

पीडब्ल्यूडी की 2791.98 करोड़ रुपये की लागत वाली 495 परियोजनाओं (1138.195 किमी. लंबी सड़कें) को ई-विश्वकर्मा-2.0 पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने सभी सांसदों और विधायकों से अपनी प्राथमिकताएं जल्द तय करने को कहा, जिससे तत्काल धनराशि जारी कर काम शुरू कराया जा सके।

इससे पहले मुख्यमंत्री दोपहर 1:45 बजे हाथरस से आगरा पहुंचे। पहले सर्किट हाउस गए। दोपहर का भोजन करने के बाद मंडलायुक्त सभागार में समीक्षा की। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र चौधरी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, बेबीरानी मौर्य सहित मंडल के सभी विधायक, एमएलसी और वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को नुकसान पहुंचाने वालों से करें वसूली

मुख्यमंत्री ने भारी वाहनों और डंपरों से जर्जर हो रहीं ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों के मामले पर भी सख्ती दिखाई। कहा कि ऐसे भारी वाहनों का ग्रामीण रास्तों से आवागमन तुरंत रोका जाए और उनके कारण सड़क को हुए नुकसान की भरपाई (क्षतिपूर्ति) भी उन्हीं वाहन मालिकों से की जाए।

फ्रांस के टॉमब्लेन में प्लेन हुआ क्रैश? पायलट समेत 11 लोगों की दर्दनाक मौत

जून महीने के खत्म होते होने के दो दिन पहले फ्रांस के नैन्सी के पास टॉमब्लेन में दर्दनाक हादसा हुआ।

रविवार (28 जून) को एक छोटा विमान क्रैश हो गया। विमान में सवार लोग स्काईडाइविंग का आनंद लेने जा रहे थे। हादसे में पायलट समेत सभी 11 लोगों की मौत हो गई।

यह घटना न सिर्फ फ्रांस बल्कि पूरी दुनिया के लिए सदमे की खबर बन गई। स्वतंत्र नर्सों का एक समूह पहली बार स्काईडाइविंग का रोमांच महसूस करने जा रहा था, लेकिन उनका सपना अधूरा रह गया।

अखिलेश यादव ने राम मंदिर दान चोरी मामले में सीएम योगी पर उठाए सवाल, विकास कार्यों पर भी तंज

(जीएनएस)।

लखनऊः सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कथित राम मंदिर दान घोटाला मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सीएम योगी की अयोध्या की लगातार यात्राओं के बावजूद मंदिर परिसर में गड़बड़ियों की बात कैसे सामने आई?

न्यूज एजेंसी अठकसे अखिलेश ने कहा कि रक्ळ की रिपोर्ट में खुद यह बात सामने आई है कि उउळश फुटेज से छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने आगे कहा "क्या सीएम योगी अयोध्या सबसे ज्यादा बार जाने का रिकॉर्ड इसलिए बना रहे थे कि वहां चोरी का निगरानी कर सके? इतनी बार अयोध्या जाने के बाद भी उन्हें इसकी जानकारी कैसे नहीं हुई की, मंदिर परिसर में क्या चल रहा है?

आठ लोग न्यायिक हिरासत में

बता दें, अखिलेश यादव ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत

राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने राम मंदिर दान गबन मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं इस मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इनमें अविनाश शुक्ला, अंकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू शामिल हैं।

विकास कार्यों को लेकर सवाल

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने विकास कार्यों को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में दुनिया भर से श्रद्धालु राम लला के दर्शन करने आते हैं। इसके लिए वहां विश्वस्तरीय सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। धार्मिक नगरी में आने वाले श्राद्धालुओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलनी चाहिए।

यमुना की सफाई के लिए खुद मैदान में उतरीं सीएम रेखा गुप्ता! दिल्लीवालों से बोलीं- सफाई के लिए थोड़ा आप भी निकालिए

(जीएनएस)।

दिल्ली में यमुना की सफाई को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब सरकार इसे सिर्फ सरकारी योजना नहीं बल्कि जनभागीदारी का अभियान बनाने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद पूर्वी दिल्ली के चिल्ला गांव स्थित यमुना खादर पहुंचीं।

उन्होंने घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया, कचरा उठाया और लोगों से अपील की कि यमुना को साफ रखने के लिए हर परिवार थोड़ा-सा समय जरूर निकाले। मुख्यमंत्री का कहना है कि सिर्फ सरकारी मशीनरी से नहीं, बल्कि लोगों की भागीदारी से ही यमुना को दोबारा स्वच्छ बनाया जा सकता है।

यमुना घाट पर आयोजित मेगा सफाई अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ बड़ी संख्या में युवा स्वयंसेवक, स्थानीय लोग और कई स्वयंसेवी संगठन भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सेवा बस्ती में रहने वाले बच्चों से भी मुलाकात की और उनकी पढ़ाई से जुड़ी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक रविकांत उज्जैनवाल और अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों की शिक्षा से जुड़ी सभी जरूरी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

रेखा गुप्ता ने की दिल्लीवासियों से की खास अपील

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार वैज्ञानिक तरीके और जनभागीदारी के जरिए यमुना को फिर से जीवंत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने हर दिल्लीवासी से अपील की कि वह इस अभियान का हिस्सा बने और यमुना को साफ रखने में अपना योगदान दे।

रेखा गुप्ता ने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ेगी, तभी स्थायी बदलाव आएगा। लोगों को पूजा सामग्री, प्लास्टिक, निर्माण का मलबा और दूसरा कचरा सीधे नदी में डालने से बचना चाहिए।

सरकार का नया प्लान क्या है?

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार केवल घाटों की सफाई तक सीमित नहीं है। इसके साथ कई बड़े कदम भी उठाए जा रहे हैं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में विशेष संग्रह केंद्र यानी पोर्टा केबिन बनाए जाएंगे, जहां पूजा सामग्री और खंडित मूर्तियां जमा की जा सकेंगी।

बाद में इनका वैज्ञानिक तरीके से सम्मानजनक निस्तारण और रिसाइक्लिंग की जाएगी। इसके अलावा यमुना में गिरने वाले छोटे और बड़े गंदे नालों को चरणबद्ध तरीके से टैप कर दूसरी दिशा में मोड़ा जा रहा है, ताकि भविष्य में बिना ट्रीटमेंट का गंदा पानी सीधे नदी में न पहुंचे।

सरकार का लक्ष्य क्या है?

दिल्ली सरकार का कहना है कि यमुना को साफ करना केवल एक सफाई अभियान नहीं बल्कि लंबी अवधि का पर्यावरण मिशन है। इसके लिए वैज्ञानिक तकनीक, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और आम लोगों की भागीदारी तीनों को साथ लेकर काम किया जाएगा। सरकार का दावा है कि यही मॉडल यमुना के पुनर्जीवन की सबसे मजबूत नींव बनेगा।

नितिन नबीन और बीएल संतोष का दो दिन का लखनऊ दौरा, उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई को देंगे चुनावी मंत्र

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी की गंभीर तैयारी का उदाहरण पिछले चार दिन के घटनाक्रम से पता चलता है। 25 जून को भाजपा प्रदेश इकाई एवं क्षेत्रीय अध्यक्षों व मोर्चों की की घोषणा और 27 जून को ही प्रदेश मुख्यालय पर सभी नवनियुक्त 64 पदाधिकारियों की बैठक।

पार्टी का शीर्ष संगठन भी अब लखनऊ में डेरा डालेगा। अब तीन से चार जुलाई तक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का लखनऊ में डेरा रहेगा। इससे साफ है कि लंबी प्रतीक्षा के बाद संगठन बनाने के बाद भाजपा अब और विलंब नहीं करेगी।

भाजपा उत्तर प्रदेश की नई प्रदेश टीम बनने के आठ दिन के अंदर ही राष्ट्रीय नेतृत्व लखनऊ पहुंच रहा है। नितिन नबीन का उत्तर प्रदेश में पहला सांगठनिक दौरा होगा। माना जा रहा है कि पहली जुलाई से भाजपा की चुनावी टीम मैदान पर सक्रिय हो जाएगी।

लखनऊ में दो दिनी प्रवास के दौरान नितिन नबीन और बीएल संतोष प्रदेश पदाधिकारियों, मंत्रियों, विधायकों एवं मोर्चों के साथ बैठक करेंगे। मिशन-2027 साधने के लिए चुनावी समितियां बनाई जाएंगी। विधान सभा प्रभारियों की नियुक्ति तय की जाएगी, साथ ही किन सीटों पर किस चेहरे के जीतने की संभावनाएं हैं, इसकी जानकारी जुटाने के लिए भी चुनावी मंत्र दिया जाएगा। कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों से यह फीडबैक भी लिया जाएगा कि किन क्षेत्रों में कौन से स्थानीय मुद्दे जीत की तरफ ले जाएंगे।

नितिन नबीन पिछले दिनों दो दिन उत्तराखंड के प्रवास पर थे, जहां का राजनीतिक पारा चढ़ा रहा। इसके बाद उनका पड़ाव उत्तर प्रदेश होगा, जहां विधान सभा चुनाव में आठ माह से कम समय बचा है। 2024 लोकसभा चुनाव में सपा के पीडीए अस्त्र से भाजपा को भारी नुकसान हुआ था, ऐसे में पार्टी आगामी चुनाव में नई रणनीति के साथ उतरेगी।

नीट रि-एक्जाम रिजल्ट से पहले बड़ी खुशखबरी, हर स्टूडेंट को मिलेंगे 4 बोनस नंबर, क्या है वजह?

री-एग्जाम का फाइनल रिजल्ट आने से पहले लाखों छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने 21 जून को आयोजित री-एग्जाम की प्रोविजनल आंसर-की जारी कर दी है, जिसके बाद कई उम्मीदवारों के संभावित स्कोर में बदलाव तय माना जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि फिजिक्स सेक्शन का एक सवाल पूरी तरह हटाए जाने के कारण परीक्षा में शामिल हर अभ्यर्थी को 4 बोनस अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा फिजिक्स के ही एक अन्य सवाल में दो विकल्पों को सही माना गया है, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों को अतिरिक्त अंक मिलने की संभावना बन गई है।

मुख्यमंत्री योगी आज प्रदान करेंगे पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर आए परिवारों को भूमिधरी के अधिकार पत्र, विस्थापित परिवारों में खुशी

(जीएनएस)।

पीलीभीत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को पीलीभीत जिले का दौरा करेंगे। उनका कार्यक्रम बरखेड़ा क्षेत्र के गांव पतरासा कुंवरपुर में प्रस्तावित है। यहां वह विस्थापित परिवारों के मुखिया को भूमिधरी के अधिकार पत्र प्रदान करेंगे।

वर्ष 1964 से 1971 के बीच तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर पीलीभीत जिले में आए परिवारों को सदर, पूरनपुर और कलीनगर तहसील क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर बसाया गया। उन्हें जीवन यापन के लिए कृषि भूमि आवंटित की गई, लेकिन उस भूमि का मालिकाना अधिकार अब तक नहीं मिल सका। लंबा अरसा बीत गया। आवंटित भूमि पर मालिकाना अधिकार पाने के लिए बंगाली समाज के लोग आस लगाए रहे।

इस बीच कई विस्थापितों की मौत हो गई। उनके परिवार के लोग भूमि पर खेती रह रहे हैं। मालिकाना अधिकार पाने का सपना अब पूरा होने जा रहा है। सोमवार 29 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरखेड़ा क्षेत्र के गांव पतरासा कुंवरपुर में होने वाले कार्यक्रम में विस्थापित लोगों को भूमिधरी के अधिकार पत्र प्रदान करेंगे। इसे लेकर विस्थापित परिवारों में खुशी का माहौल है।

अरसे बाद जमीन का मिल रहा मालिकाना हक

वर्ष 1959 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए बंगाली परिवारों को क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बसाया गया था। उन्हें जीविका के लिए कृषि भूमि आवंटित की गई थी। करीब 67 वर्षों से आवंटित भूमि पर खेती करने के बावजूद भूमिधरी के अधिकार से वंचित 352 परिवारों के लिए यह दिन ऐतिहासिक माना जा रहा है।

बंगाली कॉलोनियों में खुशी का माहौल है। न्यूरिया कॉलोनी में 110, गुप्ता कॉलोनी में 75, राजा कॉलोनी में 60, महोफ कॉलोनी में 36, भरतपुर कॉलोनी में 55 तथा मुख्तियार कॉलोनी में 16 परिवारों सहित कुल 352 परिवार इससे लाभान्वित होंगे। अधिकांश मूल लाभार्थियों का निधन हो चुका है। ऐसे में उनके उत्तराधिकारियों को भूमिधर अधिकार के प्रमाणपत्र सौंपे जाएंगे।

तीन-तीन उपनिवेशन व विस्थापितों अधिकार पत्र देंगे मुख्यमंत्री

पूरनपुर के तहसीलदार आशीष गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री उपनिवेशन व पुनर्वास योजना के तहत बसाए गए तीन-तीन परिवारों को अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। साथ ही कृषक दुर्घटना बीमा के तीन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देंगे। उपनिवेशन योजना के तहत पूरनपुर तहसील क्षेत्र में करीब एक हजार परिवार रह रहे हैं।

केनाराम सरकार ने बताया कि वर्ष 1964 में उनका परिवार यहां आया था। 1992 में गांव ढक्का चांट में पिता शंकर सरकार को चार एकड़ जमीन पुर्नवास योजना के तहत दी गई थी। अब जमीन पर मालिकाना हक मिलने जा रहा है। इससे परिवार में खुशी का माहौल है।

दीपक राम मंडल ने बताया कि जब मैं एक साल का था, तब उसके पिता परिवार के साथ आए थे। गांव ढक्काचाट में बसाया गया और खेती के लिए चार एकड़ जमीन दी गई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बुलाया गया है। समस्या दूर होने जा रही है।

सुमेंद्र सरकार ने बताया कि जमीन पर मालिकाना हक लेने को बुजुर्ग संघर्ष करते रहे। मालिकाना हक मिलने की आस छोड़ चुके थे। मुख्यमंत्री अब यह हक देने आ रहे. इससे बड़ी खुशी जीवन की और कोई नहीं हो सकती।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में बड़ा एक्शन, आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है. आरोपियों के घरों पर छापेमारी के साथ परिजनों से पूछताछ की जा रही है. मामले से जुड़े सबूत और अन्य पहलुओं की जांच भी जारी है.

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है. इस केस की जांच कर रही टीमों ने रविवार को अयोध्या में रहने वाले सभी आरोपियों के घरों पर छापेमारी की है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अपनी जांच में तेजी ला रही है, ताकि इस पूरे मामले से जुड़े तथ्यों का पूरी तरह खुलासा हो सके. पुलिस इस मामले के हर एक पहलू को गहराई से देख रही है, जिससे सच्चाई सामने आ सके.

जांच टीम ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए अयोध्या में रहने वाले आरोपियों के घरों पर कार्रवाई की है. पुलिस की अलग-अलग टीमें अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मुख्य आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, मनीष यादव, करुणेश पांडे और रमा शंकर मिश्रा के घर पहुंचीं. इन सभी ठिकानों पर पुलिस पूरी बारीकी से तलाशी ले रही है, ताकि केस से जुड़े अहम सबूत जुटाए जा सकें. जांच टीमें एक-एक घर के कोने खंगाल रही हैं ताकि कोई भी सबूत छूटने न पाए.

कार्रवाई के दौरान स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस आरोपियों के परिजनों से पूछताछ कर रही है. साथ ही आसपास रहने वाले लोगों से भी इन आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों की गतिविधियां पिछले कुछ समय में कैसी थीं और क्या मामले से जुड़ा कोई अहम सुराग मिल सकता है.

जांच के दौरान पुलिस अयोध्या में अविनाश शुक्ला के किराये के मकान पर भी पहुंची. जानकारी के मुताबिक, अविनाश शुक्ला प्रतापगढ़ का निवासी है और उसने कुछ महीने पहले यह किराये का मकान खाली कर दिया था. पुलिस ने मकान के आसपास रहने वाले लोगों और नीचे की दुकान चलाने वाले दुकानदार का बयान भी दर्ज किया.

इस मामले की गहराई से जांच कर रही टीमें सिर्फ चोरी की कड़ियों को ही नहीं जोड़ रहीं, बल्कि आरोपियों की कमाई के जरियों का भी पता लगा रही हैं. अपराध के जरिए जो पैसा या संपत्ति जुटाई गई है, उसके सोर्स को ट्रेस किया जा रहा है. आरोपियों के पास मौजूद संपत्तियां कहां से आईं और उनके पास फंड कहां से आ रहा था, इसकी पूरी हिस्ट्री निकाली जा रही है. पुलिस बैंकों के खातों और लेन-देन की भी जांच कर रही है, ताकि यह साफ हो सके कि पैसे को कहां-कहां भेजा गया या किस काम में इस्तेमाल किया गया.

इस मामले में गिरफ्तार किए गए ये सभी आरोपी राम मंदिर में आने वाले चढ़ावे और कैश को गिनने के काम से जुड़े हुए थे. जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि इन्होंने वहीं से पैसों का हेरफेर किया. जांच टीमों ने अब तक इस मामले में करीब 79 लाख 85 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं. इस मामले में पुलिस ने चोरी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत केस दर्ज किया है.

यह बड़ी कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई तीन सदस्यों की रक्ळ की शुरूआती रिपोर्ट के बाद शुरू हुई है. कोर्ट ने दो दिन पहले ही सभी आठ आरोपियों को 29 जून तक के लिए जेल भेजा था. पुलिस सोमवार को इन सभी आरोपियों को दोबारा कोर्ट में पेश करेगी. मामले की कड़ियों को जोड़ने और आगे की पूछताछ के लिए पुलिस अदालत से इन सभी की कस्टडी रिमांड मांगेगी, ताकि बाकी की रकम और संपत्ति का भी पता लगाया जा सके.

लखनऊः चाय की दुकान पर बवाल, दो गुटों में मारपीट के बाद ताबड़तोड़ फायरिंगः होटल के रसोइए को लगी गोली

(जीएनएस)।

लखनऊ,

रविवार की शाम गोमती नगर का इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। पत्रकारपुरम चौराहे के पास दो गुटों में हुई मामूली कहासुनी ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दबंगों ने पहले लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर पुलिस की मौजूदगी के बाद भी दोबारा आकर खुलेआम फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी की चपेट में आकर एक रेस्टोरेंट का बावर्ची गंभीर रूप से घायल हो गया है।

चाय की दुकान पर शुरू हुआ विवाद

घटना रविवार शाम करीब 7:00 बजे की है। विनयखण्ड निवासी राम मोहन दीक्षित अपने साथी अंकित राठौर के साथ पत्रकारपुरम चौराहे के पास मनीष ईटिंग प्वाइंट के बगल में एक चाय की दुकान पर खड़े थे। इसी बीच विनम्रखण्ड का रहने वाला प्रणव शुक्ला अपने साथियों—अभय प्रताप सिंह, विष्णु स्वरूप द्विवेदी और 6-7 अन्य लड़कों के साथ वहाँ पहुँचा। किसी पुरानी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। दबंगों ने अंकित और राम मोहन को बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया।

पुलिस को देख भागे आरोपी, एक हिरासत में

सरेराह मारपीट की सूचना मिलते ही गोमतीनगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस की गाड़ियां देखकर हमलावरों में हड़कंप मच गया और अधिकांश आरोपी मौके से भाग निकले। हालांकि, पुलिस ने घेराबंदी करके मुख्य आरोपी प्रणव शुक्ला को मौके पर ही दबोच लिया। इस मारपीट में राम मोहन दीक्षित और आरोपी प्रणव शुक्ला दोनों को चोटें आईं, जिन्हें इलाज और मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दुस्साहसः पुलिस की मौजूदगी में दोबारा आए और की फायरिंग

हैरान करने वाली बात यह रही कि पुलिस के मौके पर होने के बावजूद आरोपियों के हौसले पस्त नहीं हुए। शुरूआती कार्रवाई के दौरान ही आरोपी अभय प्रताप सिंह अपने कुछ अन्य साथियों के साथ बाइकों पर सवार होकर दोबारा मौके पर आ धमका। इलाके में दहशत फैलाने के इरादे से उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

दबंगों द्वारा चलाई गई एक गोली वहाँ स्थित मनीष ईटिंग प्वाइंट के रसोइए अखिलेश (निवासी बाराबंकी) की पीठ में जा लगी। गोली लगते ही अखिलेश लहूलुहान होकर गिर पड़ा, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी अपनी बाइकों से हवा में असलहे लहराते हुए फरार हो गए।

घायल रसोइए अखिलेश को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, समय पर इलाज मिलने के कारण उसकी स्थिति अब सामान्य है और वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

एआई लैब से मिलेगी सरकारी आईटीआई में आधुनिक तकनीकी शिक्षा, लखनऊ से होगी शुरूआत

(जीएनएस)।

लखनऊ। पारंपरिक औजारों के स्थान पर एआई के इस्तेमाल से अब किसी भी वाहन की कमियों को दूर किया जा सकेगा। यह भी पता चलेगा कि कौन सा माडल आने वाले समय में युवाओं की सबसे अधिक पसंद होगा। अब तो इसका खाका पहले से युवाओं के जेहन में होगा।

आफलाइन से दूर अब स्मार्ट क्लास में आनलाइन परीक्षा के साथ गुणवत्ता में सुधार होगा। चारबाग के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (जीआईटीआई) में यह सब होगा। यह अपनी तरह का प्रदेश का पहला संस्थान होगा, जिसमें एआई आधारित तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

आदर्श प्रशिक्षण संस्थान के रूप में विकसित होने वाले इस संस्थान में विद्यार्थियों को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षण देने के लिए स्मार्ट कक्षाएं, अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) लैब, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) तकनीक की प्रयोगशाला और डिजिटल शिक्षण सुविधाओं का लाभ होगा। संस्थान के व्यापक जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया है और पुरानी प्रयोगशालाओं व भवनों का नवीनीकरण शुरू हो गया है। जुलाई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही दाखिले शुरू होंगे।

शिक्षा की गुणवत्ता के साथ बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

नई व्यवस्था लागू होने से प्रशिक्षुओं को पारंपरिक ट्रेडों के साथ-साथ एआइ, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। इससे विद्यार्थी बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल हासिल कर सकेंगे और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। आने वाले वर्षों में एआइ और ईवी सेक्टर में कुशल तकनीशियनों की मांग तेजी से बढ़ेगी, जिसे देखते हुए पहल युवाओं के लिए लाभकारी साबित होगी।

हर ट्रेड की लैब होगी आधुनिक

संस्थान में स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से डिजिटल कंटेंट, इंटरैक्टिव शिक्षण और आधुनिक उपकरणों की सहायता से हर ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक वातावरण जैसा अनुभव मिलेगा। इससे उनका तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक दक्षता दोनों मजबूत होंगे। फिटर, टर्नर, सीट मेटल, मोटर मैकेनिक, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक्स, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेशन व एसी ट्रेड समेत सभी ट्रेडों में आए बदलाव के अनुसार लैब को संवारा जाएगा।

अपनी तरह का प्रदेश का पहला सरकारी आईटीआई

प्रधानाचार्य जीआईटीआई चारबाग, प्रदीप कुमार चौहान ने बताया कि अपनी तरह का प्रदेश का पहला सरकारी आईटीआई होगा, जहां आधुनिक तकनीकों पर आधारित प्रशिक्षण की समग्र व्यवस्था विकसित की जा रही है। सरकार का उद्देश्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उद्योगों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है, जिससे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। चारबाग का जीआइटीआइ का मॉडल प्रदेश के लिए आदर्श होगा। अनुदेशकों का प्रयास भी शैक्षिक माहौल को खास बनाएगा।

58 वर्ष पुराना है चारबाग की राजकीय आईटीआई

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), लखनऊ एक प्रमुख सरकारी वोकेशनल ट्रेनिंग केंद्र है। यह संस्थान 1968 में स्थापित हुआ था। यह छात्रों को इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, कोपा (उडढअ) और मैकेनिक जैसे 16 तकनीकी ट्रेडों में एक से दो वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान करता है।

राम मंदिर चंदा चोरी केसः अयोध्या के वकीलों का ऐलान, आरोपियों की नहीं करेंगे पैरवी

(जीएनएस)।

राम मंदिर दान चोरी मामले में अब वकीलों की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। राम मंदिर में चोरी करने के आरोपियों का केस वकीलों ने न लड़ने का फैसला लिया है।

(जीएनएस)।

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में दान के कथित गबन मामले में गिरफ्तार आरोपियों को पैरवी के लिए अयोध्या में वकील मिलने की संभावना नहीं है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका मिश्रा ने कहा कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले के आरोपियों का मुकदमा नहीं लड़ने का अंतिम निर्णय सोमवार को प्रस्तावित संगठन की आम बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में भी अयोध्या के वकीलों ने ऐसा ही निर्णय लिया था, जब राम जन्मभूमि परिसर पर हुए आतंकवादी हमले के आरोपियों की पैरवी नहीं करने का फैसला किया गया था।

बार एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार, जिले के वकीलों में राम मंदिर के चढ़ावे के कथित गबन की घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। वे मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बार एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र जायसवाल ने कहा कि मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी की घटना से हम सभी आहत हैं। फैजाबाद के वकीलों ने आरोपियों की पैरवी नहीं करने पर सहमति जताई है। इस संबंध में अंतिम निर्णय आम सभा की बैठक में लिया जाएगा। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

वकीलों ने जताई नाराजगी

इस बीच, कई अधिवक्ताओं ने आरोपियों को कथित तौर पर ह्यगुपचुप तरीकेह्ल से रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने पर भी नाराजगी जताई। वकील विवेक कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस को आरोपियों को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की तरह उन्हें पहले जनता के बीच ले जाया जाना चाहिए था।

वरिष्ठ वकील राजेंद्र चौधरी ने कहा कि कुछ लोगों की हरकतों के कारण अयोध्यावासियों की छवि पूरी दुनिया में धूमिल हुई है। इन आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

घरों पर हुई छापेमारी

पुलिस सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर में दान के कथित गबन मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों के घरों पर रविवार को एक साथ छापेमारी की गई। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस टीम ने लवकुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रमाशंकर यादव समेत सभी आरोपियों के घरों की तलाशी ली। यह कार्रवाई अयोध्या की एक अदालत की ओर से सभी आठ आरोपियों को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के दो दिन बाद की गई। माना जा रहा है कि सोमवार को आरोपियों को अदालत में पेश किए जाने पर पुलिस उनकी रिमांड का अनुरोध कर सकती है।

20 दिन में ही खराब हुई एसी बस, गर्मी में होगा लखनऊ का सफर

(जीएनएस)।

मैनपुरी। परिवहन निगम की ओर से भीषण गर्मी में यात्रियों के सफर को सुगम बनाने के लिए शुरू की गई मैनपुरी-लखनऊ मार्ग पर संचालित एसी बस 20 दिन में ही खराब हो गई। बस के एसी में से पानी निकलने से यात्रियों को परेशानी हुई तो उसे मरम्मत के लिए भेजा गया। करीब 1 करोड़ रुपये की कीमत की एसी बस का सफर लोग सिर्फ कुछ दिन ही कर पाए।

मैनपुरी डिपो को हाल ही में एक-एक करोड़ रुपये की कीमत की चार वातानुकूलित बसें मिलीं जिनमें से तीन बसों का संचालन दिल्ली के लिए और एक बस का संचालन लखनऊ मार्ग पर किया जा रहा था। करीब 20 दिन पूर्व लखनऊ के लिए संचालित होने वाली एसी बस में पानी टपकने की समस्या सामने आई। जिससे यात्रियों को समस्या हुई इसके बाद बस को मरम्मत के लिए लखनऊ भेज दिया गया। करीब 15 दिनों से मार्ग पर वातानुकूलित बस का संचालन न होने से यात्रियों को दिक्कतें हो रहीं हैं।

डिपो की ओर से पूर्व की तरह लखनऊ मार्ग पर साधारण बस का संचालन शुरू कराया गया है। डिपो के संचालन प्रभारी अनुज दुबे ने बताया कि वातानुकूलित बस को मरम्मत के लिए लखनऊ भेजा गया है। मरम्मत कार्य में 8 से 10 दिन का समय लगा है जिसके चलते लखनऊ के लिए एसी बस के स्थान पर साधारण बस का संचालन शुरू करा दिया गया। उन्होंने बताया कि बस में पानी टपकने की समस्या का समाधान कराया जा चुका है। जल्द ही बस का संचालन लखनऊ मार्ग पर शुरू होगा।

अयोध्या में RTE की अनदेखी पर ग्राम पंचायत अधिकारी पर 25 हजार का जुमार्ना, वेतन से होगी वसूली

राज्य सूचना आयोग ने अयोध्या के ग्राम पंचायत अधिकारी मो. अरसलान पर सूचना का अधिकार अधिनियम के उल्लंघन के लिए 25,000 रुपये का अर्थदंड लगाया है।

(जीएनएस)।

शुजागंज (अयोध्या)। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में राज्य सूचना आयोग ने एक कड़ा और नजीर बनने वाला आदेश पारित किया है। आयोग ने विकासखण्ड मवई के ग्राम जैसुखपुर, के जनसूचना अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी मो. अरसलान पर धारा 20(1) के तहत 25,000 रुपए का अर्थदंड लगाया है।

आयोग ने निर्देश दिया है कि यह राशि उनके वेतन से एकमुश्त वसूल की जाए और जब तक पूरी वसूली न हो जाए, तब तक उनके वेतन एवं अन्य देयकों पर रोक लगाई जाए।

यह कार्रवाई उस मामले में हुई, जिसमें 18 मार्च 2025 को आवेदक रूप चन्द्र ने परिवार रजिस्टर की प्रमाणित प्रतियां मांगी थीं। कानून के अनुसार सूचना 30 दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जानी थी, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न सूचना दी गई और न ही कोई वैध कारण बताया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने कई अवसर दिए। पहले सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, फिर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश भी दिया गया।

आयोग के अनुसार संबंधित अधिकारी को नोटिस विधिवत प्राप्त हो चुका था, इसके बावजूद वे न तो सुनवाई में उपस्थित हुए और न ही कोई लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया।

राज्य सूचना आयुक्त वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि जनसूचना अधिकारी का यह आचरण सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की भावना और वैधानिक दायित्वों की खुली अवहेलना है। आयोग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए अधिकतम वैधानिक दंड अधिरोपित किया।

आयोग ने जिलाधिकारी, अयोध्या तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया है कि जुमार्ने की राशि संबंधित अधिकारी के वेतन से तत्काल वसूल कर आयोग को अनुपालन रिपोर्ट भेजी जाए। साथ ही जनसूचना अधिकारी को अंतिम अवसर देते हुए 15 दिनों के भीतर आवेदक को समस्त वांछित सूचना उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है।

आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि इसके बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो धारा 20(2) के तहत विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

इसके अतिरिक्त जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया है कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में आरटीआई आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें, अन्यथा उन्हें भी डीम्ड जनसूचना अधिकारी मानकर विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

पीएम मोदी की तस्वीर को रोज चढ़ाती है लड्डू, कौन है 15 महीने की इवारा? क्या है सुनील शेट्टी से रिश्ता?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और 'He मैन' के नाम से मशहूर सुनील शेट्टी इस वक्त सोशल मीडिया पर खासे चर्चित हैं, वजह है उनका एक ऐसा बयान जिसे सुनकर लोग बेहद हैरान है, दरअसल टाइम्स नाउ को दिए गए इंटरव्यू में 'धड़कन' फेम एक्टर ने कहा कि 'उनकी 15 महीने की नातिन इवारा हर रोज पीएम मोदी की तस्वीर को लड्डू खिलाती है और 'मोदी जी-मोदी जी' कहती है।'

'खास बात ये है कि हम में से किसी ने भी उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा है, वो जो कुछ भी करती है अपने मन से करती है, आप सोच सकते हैं कि इतनी छोटी सी बच्ची से कैसे कोई कुछ करा सकता है।'

सुनील शेट्टी ने कहा कि 'इवारा पीएम मोदी की तस्वीर पहचानती है, एक बार एयरपोर्ट पर उसकी किसी नैनी ने उसे पीएम मोदी के बारे में बताया था, तब से ही वो 'मोदी जी-मोदी जी' बोलती है। घर के पूजा स्थल पर एक किताब है, जिसमें 'साई बाबा' जी के साथ पीएम मोदी जी की भी तस्वीर है, वो उसे खोलती हैं और फिर जहां गणपति जी को भोग लगा होता है ना, वहां से लड्डू लेकर आती है और फिर मोदी जी की पिक्चर पर उसे खिलाती है।'

सुनील शेट्टी ने कहा- ' पीएम मोदी में कुछ तो जादुई बात है'

सुनील शेट्टी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 'इवारा को न तो उन्होंने और न ही उसके माता-पिता ने ऐसा कुछ करने की सीख दी है। ये बात सिर्फ ये दशार्ती है कि प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व में एक अजीब सा खिंचाव और आकर्षण है जो छोटे बच्चों को भी सहज रूप से प्रभावित करता है, उनके अंदर कुछ तो जादूई है।'

मैं पीएम मोदी का प्रशंसक हूंः सुनील शेट्टी

इसके साथ ही अभिनेता ने अपनी खुद की देशप्रेम की भावना और प्रधानमंत्री के प्रति गहरे आदर को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'वह किसी राजनीतिक दल या विचारधारा के आधार पर नहीं बल्कि देश के एक सशक्त और प्रभावशाली नेता के रूप में नरेंद्र मोदी के बड़े प्रशंसक हैं। जब कोई नेता देश को एक नई ऊर्जा से भरता है, तो वह सबको प्रभावित करता है। इसका मतलब उनके व्यक्तित्व में कुछ तो बात है ही ना।'

कौन है इवारा?

आपको बता दें कि इवारा एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और भारत के स्टार क्रिकेटर केएल राहुल की बेटी हैं।

सीएम से मिलेंगे किसान, मांग पूरी नहीं हुई तो लखनऊ कूच करेंगे

मुरादाबाद। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने बागपत पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 30 जून को लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव करने का एलान किया है लेकिन उससे पहले मुरादाबाद में सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलने का समय मांगा है। संगठन के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा है कि यदि मुरादाबाद में सीएम से मिलने का समय नहीं मिला तो अगले दिन कार्यकर्ता लखनऊ कूच करेंगे।

भाकियू (तोमर) के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि बागपत के थाना सिंघावली अहीर के ग्राम चिरचिटा में 15 जून को एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के मामले में न्याय न मिलने पर भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने आरपार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। बागपत पुलिस प्रशासन पर संवेदनहीन होने का आरोप आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि 29 जून को मुरादाबाद में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि मुलाकात में समाधान नहीं निकलता है या मुलाकात नहीं होती तो संगठन अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लखनऊ कूच करेगा।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

लगातार होती आई है युद्ध की आग फैलाते रहने की कोशिश

भारत को युद्ध की आग में झोंकने का षड़यंत्र, देश की सरकारों को बेहद सचेत रहना पडेगा और आम नागरिकों को भी अपनानी होगी सकारात्मकता अन्यथा देश के अन्दर बैठी मीरजाफरों की जमातेंए कट्टरपंथियों की फौजें और राष्ट्रद्रोहियों की टोलियां अपने विदेशी आकाओं के इशारे पर देश को आन्तरिक और बा युद्ध की आग में झोंकने के मंसूबों को पूरा करने में सफल हो जाएंगी।

तीसरे विश्व युद्ध के हालात निंमित होने लगे हैं। आग्नेय शस्त्रों की दम पर भू-भाग हथियाने, सत्ता जमाने और आर्थिक लाभ कमाने की आंधी चलने लगी है। शत्ति के हाथों मानवता पराजित हो रही है।चालों पर चालें, षड़यंत्रों पर षड़यंत्र और दुश्मन के दुश्मन को दोस्त बनाने के प्रयासों को पंख लग चुके हैं। मुंह में रामए बगल में छुरी की कहावत को चरितार्थ करने वालों के चेहरे नकाब के पीछे छुपे हैं। धूर्तता का ग्राफ निरंतर ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। आदर्श, सिद्धान्त और मर्यादाओं जैसे शब्द किताबों में बंद हो चुके हैं। अमेरिका के दुश्मन ओसामा बिन मोहम्मद बिन अवद बिन लादिन को पनाह देने वाले पाकिस्तान पर उसी अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड जॉन ट्रम्प अपने प्यारए विश्वास और धन लुटाने में पागल हैं। पाकिस्तान ने जहां एक ओर ईंरान.अमेरिका जंग में कथित मध्यस्थ बनकर स्वयं को शान्तिदूत की तरह पेश किया है वहीं दूसरी ओर इस्लामी दुनिया के हितों की रक्षा करने हेतु 25 सितंबर 1969 में बनाये गये इस्लामिक सहयोग संगठन यानी ओआईसी के माध्यम से कट्टरताए आतंकवाद और विस्तारवाद को नईं दिशा देने में जुटा है। अमेरिका का खासमखास पाकिस्तान अपनी वुटिल चालों से चीन और रूस को भी वुटिलता के साथ अपने पाले में करने की जुगाड में है। छोटे से कट्टरपंथी देश ईंरान के आगे अमेरिका जैसा दुनिया का ठेकेदार लाचार नजर आ रहा है। इस्लामिक कानून यानी शरिया को राष्ट्रीय संविधान मानने वाले तुकाए सऊदी अरब, यमन, सोमालिय, कतर, वुवैत, ओमान और बहरीन जैसे देश आज भी गजवा.ए.दुनिया के ख्वाब देख रहे हैं जिन्हें पाकिस्तान निरंतर भड़काने में लगा है। वर्तमान में वुल 9 देशों के पास परमाणु हथियार हैं जिनमें रूस के पास लगभग 5500 से 5600ए संयुत्त राज्य अमेरिका के पास लगभग 5000 से 5200, चीन के पास लगभग 400 से 600, प्रांस के पास लगभग 290, यूनाइटेड किगडम के पास लगभग 225ए भारत के पास लगभग 180 से 190, पाकिस्तान के पास लगभग 170, इज़राइल के पास लगभग 90 तथा उत्तर कोरिया के पास लगभग 50 परमाणु हथियार हैं। परमाणु हथियारों की दम पर कट्टरपंथियों को हौसला देने वाले पाकिस्तान ने आतंकियों को सैन्य प्रशिक्षण देनेए संरक्षण देने तथा सहयोग देने वाले राष्ट्रों के साथ मिलकर मानवता विरोधी मुहिम छेड रखी है। इतिहास गवाह है छा युद्ध के लिए विभिन्न देशों द्वारा दहशतगर्दो की जमातें तैयार की जाती रहीं। पाकिस्तान ने 1980 के दशक में सोवियत संघ के विरुद्ध अफगान जिहाद हेतु अमेरिका के साथ मिलकर तालिबान को पैदा किया था। भारत के विरुद्ध कश्मीर में लश्कर.ए.तैयबा और जैश.ए.मोहम्मद जैसे अनेक आतंकी संगठन तैयार किये थे। अमेरिका ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं को खदेड़ने हेतु अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी यानी सीआईंए ने मुजाहिदीन को पैदा किया था जो बाद में अल.कायदा और ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकियों के मुख्य समर्थक बन गये। ईंरान ने सन 1982 में लेबनान में शिया समुदाय के प्रभाव को बढ़ाने और इजरायल के खिलाफ लड़ने के लिए हिजबुल्लाह का गठन किया तथा 1990 के दशक में यमन के अंदर हूती यानी अंसार अल्लाह को खडा किया। सऊदी अरब ने 1970.80 के दशक में वहाबी विचारधारा के कट्टरपंथी गिरोहों स्थापित किया जो अप्रत्यक्ष रूप से अल.कायदा का अंग बन गये। सीरिया ईंरान के सहयोग ने लेबनान में हमास और हिजबुल्लाह को स्थापित किया था। यूं तो संसार में पांच बड़े आतंकी संगठनों को रेखांकित किया जाता है जिनमें तालिबान, इस्लामिक स्टेट, अल.कायदा, बोको हराम और अल.शबाब शामिल हैं जिनके द्वारा अनेक क्षेत्रीय संगठनों को स्थानीयस्तर पर विस्तार दिया जाता रहा है।

2029 में कांग्रेस भाजपा को हराकर बनाएगी सरकार? प्रणब मुखर्जी की बेटी ने दिया ये जवाब,राहुल गांधी पर कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद कांग्रेस ने सीटों के मामले में पहले से बेहतर प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन क्या यही रफ्तार 2029 तक पार्टी को सत्ता तक पहुंचा सकती है? इस सवाल पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी और कांग्रेस की पूर्व नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने ऐसा जवाब दिया है, जिसने पार्टी की रणनीति और राहुल गांधी के नेतृत्व पर नई बहस छेड़ दी है।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने देश की सबसे पुरानी पार्टी के लीडरशिप पर सीधे तीर चलाए हैं। उन्होंने खुलकर बात की है कि क्या कांग्रेस साल 2029 के अगले आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (BJP) को शिकस्त देकर सत्ता में वापसी कर पाएगी?

इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी की राजनीति करने के तौर-तरीकों को लेकर भी कई तरह की बातें कही हैं। न्यूज एजेंसी क्अठर से खास बातचीत में शर्मिष्ठा मुखर्जी ने राहुल गांधी के 'गायब' होने वाली आदत को उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि राजनीति 24 घंटा और 365 दिनों का काम है। उन्होंने साफ कहा कि राजनीति सिर्फ चुनावी रैलियों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह पूरे साल चलने वाली जिम्मेदारी है।

क्या 2029 में सरकार बना पाएगी कांग्रेस?

न्यूज एजेंसी क्अठर जब शर्मिष्ठा मुखर्जी से सीधा सवाल किया गया कि क्या 2029 में कांग्रेस सत्ता में लौट पाएगी, तो उन्होंने किसी भी तरह की राजनीतिक भविष्यवाणी करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने जमीन की हकीकत बयां करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जरूर जीतीं और राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का पार्टी को एक बढ़िया फायदा भी मिला।

लेकिन दिक्कत यह है कि कांग्रेस के भीतर अपने बलबूते पर खड़े होने का वह पुराना जज्बा और जोश गायब दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर या सिर्फ गठबंधन के सहारे आप देश का चुनाव नहीं जीत सकते। कांग्रेस का पूरा ध्यान इस बात पर रहता है कि गठबंधन कैसे किया जाए, जबकि असली जरूरत जमीन पर पार्टी के संगठन को मजबूत करने की है।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा,

"मैं कोई अंदाजा नहीं लगाऊंगी। 2024 के चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीती थीं। उन्होंने (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा की थी, और उसका अच्छा नतीजा मिला। लेकिन बदकिस्मती से, राहुल गांधी कुछ इवेंट करते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। भारत जोड़ो यात्रा की पहली सालगिरह पर वह कहां थे? पॉलिटिक्स 24 घंटे, 365 दिन का काम है। आप आते हैं और फिर 2 दिन बाद चले जाते हैं।

आप कुछ रैलियां करते हैं, कुछ लोगों से मिलते हैं और फिर चले जाते हैं। इसलिए, मेरे हिसाब से, पॉलिटिक्स ऐसी नहीं चलेगी। आम चुनावों के अलावा राज्यों के भी चुनाव लगातार चलते रहते हैं, वहां आपको हर वक्त मौजूद रहना होगा।"

उन्होंने कहा,

"राज्यों के चुनाव भी होते हैं। सिर्फ अलायंस बनाकर चुनाव नहीं जीते जा सकते। कांग्रेस को पार्टी को मजबूत करने की जरूरत है। जब मैंने कांग्रेस में काम किया था, तब भी सिर्फ अलायंस बनाकर जीतने पर फोकस था, ऑर्गनाइजेशन को मजबूत करने पर नहीं। उनके पास अपनी ताकत पर जीतने का हौसला नहीं है।"

पीएम मोदी और राहुल गांधी की तुलना पर क्या कहा?

जब दोनों बड़े नेताओं पीएम मोदी और राहुल गांधी के बीच तुलना की बात आई, तो शर्मिष्ठा ने कहा कि यह तुलना करना ही अपने आप में गलत होगा। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि साल 2014 से राहुल गांधी ही कांग्रेस का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि पिछले एक दशक में कुछ गिने-चुने राज्यों को छोड़ दें, तो कांग्रेस उनके नेतृत्व में लगातार चुनाव हारती आ रही है।

उन्होंने बिना लाग-लपेट के कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक कद्दावर और जनता के बीच बेहद लोकप्रिय नेता हैं, और उनकी यह ताकत उन्हें मिलने वाले भारी जनादेश से साफ दिखाई देती है। इसके उलट राहुल गांधी वह भारी जनादेश न तो खुद के लिए और न ही अपनी पार्टी के लिए ला पा रहे हैं। लगातार मिल रही चुनावी हार और जनता का भरोसा न जीत पाना सीधे तौर पर राहुल गांधी की एक बहुत बड़ी नाकामी है।

क्या राहुल गांधी से बेहतर उनकी बहन प्रियंका गांधी हैं?

इस पूरी बातचीत के दौरान जब शर्मिष्ठा से पूछा गया कि क्या राहुल गांधी से बेहतर उनकी बहन और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी बढ़िया साबित हो सकती हैं? तो इस पर उन्होंने बहुत ही नपा-तुला जवाब दिया। शर्मिष्ठा ने कहा कि जब वे कांग्रेस में थीं, तब वे बहुत जूनियर स्तर पर काम कर रही थीं। राहुल और प्रियंका दोनों से ही उनकी मुलाकातें और बातचीत बहुत कम रही हैं। इसलिए वे आज जो कुछ भी कह रही हैं, वह एक राजनीतिक विश्लेषक और ऑब्जर्वर के तौर पर कह रही हैं। उन्होंने दोनों भाई-बहन के बीच किसी भी तरह की तुलना करने से पूरी तरह दूरी बना ली।

उन्होंने IANS से कहा,

"इस पर मेरी कोई राय नहीं है। जब मैं कांग्रेस में थी, तब मैं जूनियर थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मेरी बातचीत बहुत कम थी। मैं कांग्रेस के बारे में जो कुछ भी कह रही हूं, एक ऑब्जर्वर के तौर पर कह रही हूं। लेकिन मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की तुलना नहीं करना चाहती। क्योंकि उन दोनों से मेरी बातचीत बहुत कम थी।"

कुल मिलाकर उनका इशारा साफ था कि अगर कांग्रेस को 2029 में सचमुच बीजेपी को टक्कर देनी है, तो उन्हें अपनी 'पार्ट-टाइम राजनीति' की आदत को छोड़कर जमीन पर पसीना बहाना होगा।

दिल्ली कोचिंग सेंटर के लिए नया कानून लाने की तैयारी में रेखा सरकार!1 महीने की डेडलाइन,नियम तोड़े तो होगा सील

(जीएनएस)।

दिल्ली में कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा को लेकर अब सरकार सख्त रुख अपनाने जा रही है। राजधानी में चल रहे सभी कोचिंग संस्थानों के लिए जल्द नया कानून लाया जाएगा, ताकि छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ कहा है कि जिन संस्थानों में फायर सेफ्टी, सुरक्षा ऑडिट और जरूरी इंतजाम नहीं होंगे, उन्हें बिना किसी ढील के सील कर दिया जाएगा। यह फैसला हाल ही में लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग के बाद आया है, जिसमें 15 लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली में क्यों लाया जा रहा है नया कानून?

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट की समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार नया कानून तैयार कर रही है। इसका मकसद राजधानी के हर कोचिंग सेंटर के लिए एक समान सुरक्षा मानक तय करना है, ताकि किसी छात्र की जान खतरे में न पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए यह मायने नहीं रखता कि दिल्ली में 900 कोचिंग सेंटर हैं या 1,000। सबसे जरूरी बात वहां पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा है।

कोचिंग सेंटरों को मिला एक महीने का समय

मुख्यमंत्री ने सभी कोचिंग संस्थानों को एक महीने की समय सीमा दी है। इस दौरान हर सेंटर को फायर ऑडिट, सुरक्षा उपकरण और अन्य जरूरी सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। तय समय के बाद नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर सीधे कार्रवाई होगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें सील भी किया जाएगा। रेखा गुप्ता ने छात्रों से भी अपील की कि यदि उन्हें अपने कोचिंग सेंटर में किसी तरह की सुरक्षा कमी दिखाई देती है तो वे ईमेल, संदेश या फोन के जरिए सरकार को इसकी जानकारी दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर शिकायत पर सख्त कार्रवाई होगी।

शिक्षा मंत्री ने भी शुरू कराया बड़ा अभियान

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भी राजधानी में सभी कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने गृह विभाग, नगर निगम, दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उच्च शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। बैठक में फायर सेफ्टी, भवन सुरक्षा, छात्रों की भलाई और कुछ संस्थानों की व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने साफ कहा कि छात्र सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किन इलाकों में होगी सबसे पहले जांच?

सरकार ने मुखर्जी नगर, राजेंद्र नगर और कटवारिया सराय जैसे बड़े कोचिंग हब में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जांच टीम यह देखेगी कि संस्थान फायर सेफ्टी नियमों, भवन मानकों और दूसरे जरूरी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। नगर निगम को दिल्ली के 923 सर्वे किए गए कोचिंग सेंटरों की सूची निरीक्षण टीमों को देने और हर दिन कार्रवाई रिपोर्ट सरकार को सौंपने का निर्देश भी दिया गया है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जो कोचिंग सेंटर सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करेंगे या बिना जरूरी अनुमति के संचालित होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रस्तावित कानून का मकसद जवाबदेही तय करना, पारदर्शी व्यवस्था बनाना और छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना है।

वट पूर्णिमा आज, क्या है कथा? नोट करें पूजा सामग्री

(जीएनएस)।

आज सुहागिनों का प्रिय व्रत वट पूर्णिमा है, इस दिन महिलाएं वट (बरगद) के वृक्ष की पूजा करके अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। यह व्रत श्रद्धा, संयम और त्याद का प्रतीक है। काशी के पंडित दयानंद शास्त्री ने कहा कि 'वट वृक्ष की पूजा से जीवन में स्थिरता, सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है।'

वट पूर्णिमा की पूजा सामग्री

- भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा/चित्र
- कलश
- गंगाजल
- दीपक और घी
- धूप और अगरबत्ती
- चंदन
- रोली और अक्षत
- तुलसी दल
- पीले और लाल पुष्प
- मौसमी फल
- पंचामृत
- नारियल
- मिठाई या खीर
- चावल
- कपूर

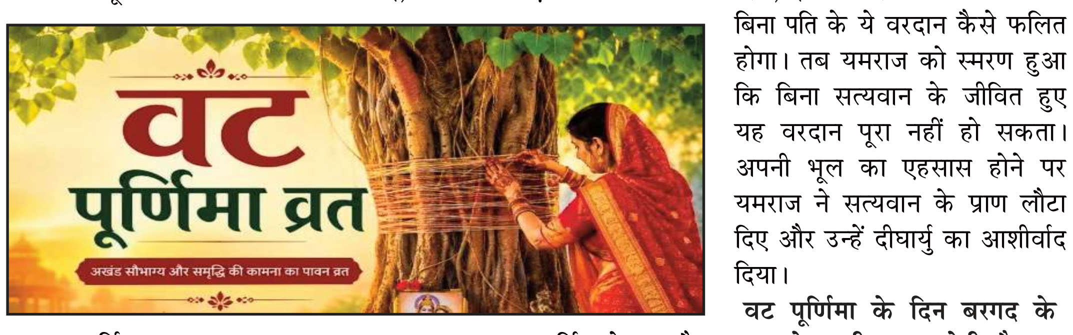

वट पूर्णिमा व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा अश्वपति की पुत्री सावित्री अत्यंत रूपवान, बुद्धिमान और पतिव्रता थीं। उन्होंने स्वयंवर में सत्यवान को अपना पति चुना। हालांकि महर्षि नारद ने पहले ही बता दिया था कि सत्यवान की आयु बहुत कम है और विवाह के एक वर्ष बाद उनकी मृत्यु हो जाएगी। इसके बावजूद सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं और सत्यवान से विवाह कर लिया। विवाह के बाद जब सत्यवान की मृत्यु का दिन आया, तब सावित्री ने कठोर व्रत और उपवास रखा। वह अपने पति के साथ जंगल गईं, जहां लकड़ी काटते समय सत्यवान अचानक मूर्छित हो गए और उन्होंने सावित्री की गोद में ही प्राण त्याग दिए। उसी समय मृत्यु के देवता यमराज उनके प्राण लेकर चल पड़े। सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे चलने लगीं।

सावित्री ने यमराज से मांगा 100 पुत्रों की मां बनने का वरदान

यमराज ने उन्हें वापस लौटने को कहा लेकिन सावित्री नहीं मानी, तब सावित्री की निष्ठा, ज्ञान और धर्मयुक्त वचनों से प्रसन्न होकर यमराज ने उनसे वरदान मांगने को कहा, जिस पर उन्होंने उनसे सौ पुत्रों की मां बनने का वरदान मांगा, जो कि यमराज ने दे दिया, इसके बाद सावित्री ने कहा कि बिना पति के ये वरदान कैसे फलित होगा। तब यमराज को स्मरण हुआ कि बिना सत्यवान के जीवित हुए यह वरदान पूरा नहीं हो सकता। अपनी भूल का एहसास होने पर यमराज ने सत्यवान के प्राण लौटा दिए और उन्हें दीघार्यु का आशीर्वाद दिया।

वट पूर्णिमा के दिन बरगद के पेड़ की पूजा होती है

ये सब का साक्षी वट वृक्ष था, इसलिए तभी से वट पूर्णिमा के दिन बरगद के पेड़ की पूजा होने लगी। विवाहित महिलाएं वट (बरगद) के वृक्ष की पूजा करती हैं। वट वृक्ष को दीघार्यु, अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से दांपत्य जीवन में प्रेम, सुख, समृद्धि और पति की लंबी आयु की कामना पूर्ण होने का विश्वास है।

विश्व कप के नॉकआउट मैच में कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका पर ऐतिहासिक 1-0 से जीत हासिल की।

इ८ डल्लीर्ल्ल्र् र३ा

ळ्री वस्रींर्३िः टङ्कल्ल्र्ांट, ख४ल्ली 29, 2026, 5:30 [क्रळ]

कनाडा की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने विश्व कप में अपना पहला नॉकआउट मैच जीतकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। कोच जेसी मार्स ने अपने खिलाड़ियों को मैदान पर इकट्ठा किया और उनकी उपलब्धि पर गहरा गर्व व्यक्त किया। "आप लोग आज कनाडाई नायक हैं!" मार्स ने कहा, और कनाडा के भविष्य के फुटबॉलरों की पीढ़ियों पर इसके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला।

कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराया

स्टीफन यूस्टाचियो के देर से किए गए गोल ने कनाडा की दक्षिण अफ्रीका पर 1-0 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह जीत लेस रूज्स की विश्व कप में केवल तीसरी उपस्थिति है, एक ऐसी टीम जिसने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्र का ध्यान आकर्षित करने के लिए संघर्ष किया है। मार्स ने गोल के नाटकीय समय और कनाडाई लोगों को प्रेरित करने की इसकी क्षमता को नोट किया।

सोफाई स्टेडियम में 90 मिनट के कड़े मुकाबले के बाद, कनाडा तब आगे बढ़ा जब अलीस्टर जॉनस्टन के पास पर यूस्टाचियो को गोल मिला, जिसने निर्णायक रूप से स्कोर किया। लॉस एंजिल्स एफसी के लिए खेलने वाले यूस्टाचियो ने अपने टीम के साथियों के साथ जश्न मनाया, और उनकी एकता और दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "हमारे पास एक खास समूह है।" "जब हम एक-दूसरे के लिए लड़ते हैं, तो इस तरह की खास चीजें हो सकती हैं।"

फीफा द्वारा 30वें स्थान पर काबिज कनाडा शनिवार को ह्यूस्टन में नीदरलैंड्स या मोरक्को में से किसी एक से भिड़ेगा। स्विट्जरलैंड के खिलाफ हार के कारण घर पर इतिहास बनाने का मौका चूकने के बावजूद, कनाडा पहली बार 16 के दौर में पहुंचा। टीम के समर्थकों, जिनमें लॉस एंजिल्स के कई स्थानीय लोग भी शामिल थे, ने इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

कनाडा और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही अपने पहले नॉकआउट जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे जब वे मिले। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद कनाडा के स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस एक्शन में लौट आए। हालांकि उन्होंने ग्रुप प्ले मिस किया, डेविस ने अपनी वापसी पर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका के कोच ह्यूगो ब्रूस ने कनाडा के खिलाफ अपनी टीम की चुनौतियों को स्वीकार किया। अपने प्रयासों के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका पूरे टूनार्मेंट में केवल एक ही शॉट गोल पर लगा सका। ब्रूस ने अपने विरोधियों की तुलना में शक्ति और गति की कमी को नोट किया लेकिन उनके समग्र प्रदर्शन से संतुष्टि व्यक्त की।

मैच का समापन विलियम्स के पांच बचाव के साथ हुआ, दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम क्षणों तक दृढ़ संकल्प के साथ खेला। कनाडा की जीत को देश में फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित कर सकता है और खेल की प्रोफाइल को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा सकता है।

दूसरे टी20 में अंतिम गेंद पर भारत की 1 रन से हार, आयरलैंड ने सीरीज जीतकर रचा इतिहास

(जीएनएस)।

भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज हैरी टेक्टर ने एक छोर संभालकर टीम को संकट से बाहर निकाला, टीम ने 154/8 का स्कोर खड़ा किया। टेक्टर ने 47 गेंदों में 53 रन की जिम्मेदार पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। टीम इंडिया ने 8 ओवर में 54/4 का स्कोर बनाया, तब बारिश से खेल रोकना पड़ा, बाद में पारी शुरू होने पर टीम इंडिया की हार हुई। इतिहास में पहली बार आयरलैंड ने भारत को किसी सीरीज में हराया है, यह काफी शर्मनाक बात है कि तीन बार की वर्ल्ड चैम्पियन टीम को ऐसे हार का सामना करना पड़ा।

उनके अलावा बेंजामिन कैलिट्ज ने भी 23 गेंदों पर 37 रन बनाकर तेजी से स्कोर आगे बढ़ाया। एक समय ऐसा लग रहा था कि आयरलैंड 170 के करीब पहुंच जाएगा, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में शानदार वापसी की।

टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चर्चा का विषय डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज प्रिंस यादव रहे। उन्होंने अपने पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बेखौफ गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर 3 अहम विकेट झटक लिए। प्रिंस ने हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर और लियाम मैकार्थी को अपना शिकार बनाया और आयरलैंड की रन गति पर ब्रेक लगा दिया। उनके अलावा शिवम दुबे ने 2 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह ने भी 2 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। अक्षर पटेल के खाते में 1 विकेट आया।

जवाबी पारी में खेलते हुए भारत की बेहद खराब शुरूआत रही, संजू सैमसन को जय मूंदड़ा ने पहली गेंद पर आउट कर दिया। नई गेंद से मूंदड़ा ने जबरदस्त कहर बरपाया। सैमसन के बाद उन्होंने अभिषेक शर्मा को भी गोल्डन डक पर आउट किया और श्रेयस अय्यर को 10 के निजी स्कोर पर चलता किया। इसके बाद ईशान किशन 12 रन बना रन आउट हो गए, इस तरह टीम इंडिया ने 4 विकेट 35 रनों पर ही गंवा दिए।

तिलक वर्मा ने एक छोर पर खड़े होकर रन बनाते हुए फिफ्टी जमाई और वही उम्मीद बनकर खड़े थे। वह 46 गेंदों में 55 रन बना आउट हो गए, शिवम दुबे ने 20 रन बनाए। इसके बाद हार पक्की हो गई थी लेकिन हर्षित राणा ने 10 गेंदों में 21 रन बनाकर मैच में जान डाल दी लेकिन वह अंतिम ओवर में आउट हो गए। इस बीच अंतिम गेंद पर भारत को 8 न्र चाहिए थे, प्रिंस यादब ने छक्का जड़ दिया लेकिन टीम इंडिया 153/9 तक पहुंच पाई और आयरलैंड ने 1 रन से जीतकर पहली बार भारत को सीरीज में हरा दिया। जय मूंदड़ा ने 3 विकेट झटके।

लखनऊ के चिहनट में भीषण आग; धू-धू करके जला कोल्ड स्टोरेज, आसपास के मकान खाली कराए गए

राजधानी लखनऊ में आए दिन आग के हादसे हो रहे हैं। अलीगंज के बाद अब चिनहट में आग लग गई है। हालांकि, इसमें किसी की जान नहीं गई है, लेकिन बताया जा रहा है लाखों रुपयों का नुकसान हुआ है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आग का तांडव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अभी कुछ दिन पहले अलीगंज की बिल्डिंग में आग से 15 लोगों की मौत हो गई थी, तो वहीं अब राजधानी लखनऊ के चिनहट में रविवार सुबह करीब 6 बजे हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि एक किलोमीटर तक इसकी लपटें दिखाई दे रही थीं।

रविवार सुबह जब लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले, तो उनको कोल्ड स्टोरेज से धुआं निकलता दिखाई दिया। लोगों ने बिना देर किए पुलिस को सूचना दी। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचतीं, तब तक कोल्ड स्टोरेज धू-धू करके जलने लगा। मौके पर फायर ब्रिगेड की 10 से ज्यादा गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं।

पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली करा लिया है। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया है। दयाल रेजीडेंसी में रहने वाले एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जो कोल्ड स्टोरेज से सटे हुए मकान हैं, वह सब खाली हो गए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह रेजिडेंशियल इलाका है, यहां यह सब नहीं चल सकता है। इसको यहां से हटाना चाहिए। अन्य लोगों ने भी कहा कि कोल्ड स्टोरेज को यहां से हटाया जाना चाहिए।

बीते दिनों लखनऊ के अलीगंज की एक बिल्डिंग में आग लगी थी

अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत हुई थी

अलीगंज आग हादसे में 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है

लखनऊ से एयरपोर्ट से कमता तक सिग्नल-फ्री होगा सफर, 22किमी. तक बनेगी एलिवेटेड रोड, पूरा प्लान जानिए

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी की राजधानी लखनऊ में बढ़ते ट्रैफिक और शहीद पथ पर वाहनों के दबाव को कम करने के लिए बड़ी तैयारी शुरू हो गई है। अब शहीद पथ पर करीब 22-23 किलोमीटर लंबी दूसरी फोरलेन एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। लखनऊ के सांसद और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर संस्तुति दे दी है। मामले में गुरुवार को सांसद प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी ने छऊअ वीसी प्रथमेश कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

वीसी ने बताया कि एलिवेटेड रोड बनने से कानपुर रोड स्थित अमौसी एयरपोर्ट से अयोध्या रोड कमता चौराहा तक का सफर पूरी तरह सिग्नल-फ्री हो जाएगा। इकाना स्टेडियम, सुलतानपुर रोड और लुलु मॉल जाने वाले हजारों वाहनों को शहर के ट्रैफिक से नहीं जूझना पड़ेगा। मैच के दिनों और वीकेंड पर लगने वाले भीषण जाम से स्थायी

राहत मिलेगी। प्रॉजेक्ट की डीपीआर तैयार होने के बाद केंद्र से बजट मंजूर होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

डबल डेकर एलिवेटेड रोड वाला लखनऊ पहला शहर

प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद लखनऊ डबल डेकर एलिवेटेड रोड यूपी का पहला शहर बन जाएगा। सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि रक्षामंत्री के निर्देश पर एनएचएआई ने नई एलिवेटेड रोड की व्यवहारिकता पर काम शुरू कर दिया है। यह प्रॉजेक्ट शहर के भविष्य की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बदल देगा

क्यों जरूरी है एलिवेटेड रोड ?

बढ़ती आबादीः शहर में वाहनों की संख्या हर साल 8-10% बढ़ रही है।

एयरपोर्ट-कमता कॉरिडोर पर दबाक अमौसी से कमत तक रोजाना 2 लाख से ज्यादा वाहन गुजरते है।

इकाना-लुलु जामः मैच और वीकेंड पर सुलतानपुर रोड पर 3-4 किमी लंबा जाम लगता है।

आउटर रिंग रोड से कनेक्टिविटीः नई एलिवेटेड रोड आउटर रिंग रोड और किसान पथ से भी जुड़ेगी।

गोमती में बनेगा फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

जल्द गेमती नदी की धारा में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में पार्टी कर सकेंगे। जल परिवहन प्राधिकरण ने इसकी जिम्मेदारी लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) को दी है। प्रॉजेक्ट पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च होंगे। जल परिवहन प्राधिकरण ने 100 सीटर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के लिए पहले चरण में 2.81 करोड़ रुपये जारी कर दिए है। छऊअ टेंडर आदि की प्रक्रिया पूरा कर कंपनी का चयन करेगा। जल परिवहन प्राधिकरण ने हर महीने के पहले बुधवार को बैठक करने का निर्णय लिया है, जिसमें समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण से सील खुलवाना हुआ आसान, लागू किया 72 घंटे का स्पेशल प्लान

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में आयोजित कार्यशाला में अधिकारियों ने साझा की जानकारी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : एलडीए (लखनऊ विकास प्राधिकरण) ने शनिवार को शहर के विभिन्न स्कूलों एवं कोचिंग संचालकों के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया. जिसमें अधिकारियों ने अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा मानकों के बारे में विस्तृत जानकारी साझी की. साथ ही गाइडलाइन और नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की. इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा सील किए गए अवैध निर्माण को खुलवाने का प्लान भी साझा किया.

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग.

कार्यशाला में बताया गया कि भवनों में निकासी की उचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो और उनमें किसी प्रकार का कोई अवरोध न हो. साथ ही अग्निशमन उपकरणों को उचित स्थान

पर स्थापित किया जाए और उनकी नियमित फिटनेस जांच सुनिश्चित कराई अधिकारियों ने बताया कि सभी आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन हेतु नोटरीकृत शपथपत्र अनिवार्य किया गया है. मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.

कार्यशाला में मौजूद कोचिंग संचालकों ने दावा किया कि उनके संस्थान में सभी मानक पूरे थे, फिर भी परिसर को सील बंद कर दिया गया. इस पर एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि एलडीए के कमेटी हॉल में 29 जून को सुबह 10:00 बजे से हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी. इसमें सम्बंधित संस्थान के मालिक/प्रबंधक भवन मानचित्र व सुरक्षा मानकों सम्बंधित दस्तावेज प्रस्तुत करके सील खोलने के लिए प्रार्थना दे सकते हैं. इसके बाद न्यूनतम 24 घंटे और अधिकतम 72 घंटे की अवधि में प्रकरण का परीक्षण करा लिया जाएगा. मानक सही मिलने पर भवन को सील मुक्त किया जाएगा.

कुछ कोचिंग संचालकों ने तर्क दिया कि वे किराये पर जगह लेकर संस्थान चला रहे हैं. ऐसे में मानक पूरे करने की जिम्मेदारी उनकी नहीं, बल्कि भवन मालिकों की होनी चाहिए. इस पर अधिकारियों ने कहा कि मानव जीवन सर्वोपरि है. संस्था में आने वाले विद्यार्थियों एवं स्टॉफ की सुरक्षा की जिम्मेदारी से संचालक बच नहीं सकते हैं. संस्थान में सुरक्षा के उपाय संचालकों को सुनिश्चित कराने ही होंगे. बैठक में एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, मुख्य नगर नियोजक केके गौतम, मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह एवं सोमकमल सीताराम समेत अग्निशमन विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत सुरक्षा एवं जिला प्रशासन समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

'अवसरों का सागर बनेगा हिंद महासागर': पीएम मोदी का बड़ा बयान, भारत-सेशेल्स के बीच किन-किन समझौतों पर लगी मुहर ?

(जीएनएस)।

विक्टोरिया।

क्या भारत और सेशेल्स मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला कर पाएंगे? पीएम मोदी का यह ऐतिहासिक दौरा दोनों देशों के 50 साल के मजबूत रिश्तों को एक नई ऊंचाई पर ले गया है। दोनों देशों ने रक्षा, यूपीआई डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य सहित 19 क्षेत्रों में ऐतिहासिक समझौते किए हैं। भारत ने सेशेल्स को सैन्य वाहन, चिकित्सा उपकरण और बुनियादी ढांचा सामग्री उपहार में देकर हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक और विकास साझेदारी को और मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर को 'अवसरों का सागर' बनाना चाहता है। पीएम मोदी इस समय सेशेल्स के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और आर्थिक प्रगति दोनों जरूरी हैं। भारत की साझेदारी देश के आकार पर नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भरोसे पर टिकी है।

एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं रक्षा और सुरक्षाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा मानना है कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है। इसकी सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि हमारी साझा जिम्मेदारी है। यही भारत के 'महासागर' विजन का मुख्य आधार है।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा मानना है कि भारत और सेशेल्स की रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।' सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, 'मैं 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' अवॉर्ड उन देशों को समर्पित करता हूं जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।'

दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की व्यापक वार्ता हुई। पीएम मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इस दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।

दोनों देशों के बीच किन-किन समझौतों पर लगी मुहर?

भारत और सेशेल्स के रिश्तों में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। दोनों देशों ने आपसी सहयोग को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में 19 बड़े समझौतों पर मुहर लगी। यह ऐतिहासिक मौका दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ का भी है।

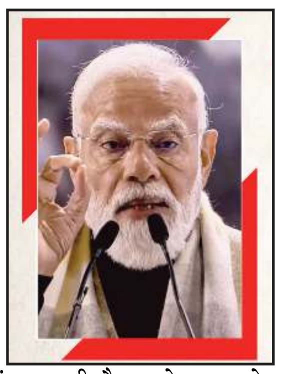

भारत ने हिंद महासागर के इस रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण द्वीप देश के साथ अपने सुरक्षा, डिजिटल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे हैं।

रक्षा और समुद्री सुरक्षा को मिली नई ताकत

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारत ने सेशेल्स को एक तेज गश्ती जहाज उपहार में दिया है। इसके साथ ही, सेशेल्स रक्षा बल को 10 उपयोगिता वाहन और पांच लेजर रेडियल क्लास नावें सौंपी गई हैं। भारत ने सेशेल्स कोस्ट गार्ड के लिए गश्ती जहाज 'पीएस जोरोएस्टर' की मरम्मत का काम भी पूरा कर दिया है। इसके अलावा, एक डोर्नियर विमान को आधुनिक ग्लास कॉकपिट से अपग्रेड किया गया है। दोनों पक्षों के बीच एक प्रत्यर्पण संधि पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। सेशेल्स के झंडे वाले जहाजों पर काम करने वाले नाविकों के प्रशिक्षण और प्रमाणन को मान्यता देने पर भी सहमति बनी है।

यूपीआई और अंतरिक्ष में साझा उड़ान

भारत की डिजिटल ताकत अब सेशेल्स में भी दिखेगी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और सेंट्रल बैंक ऑफ सेशेल्स के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इसके तहत अब सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग और गहरा होगा। इसके अलावा, दोनों देशों ने बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण के लिए भी हाथ मिलाया है।

जन औषधि, अस्पताल और बुनियादी ढांचा

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दोनों देशों ने बड़े कदम उठाए हैं। सेशेल्स में नए राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण की शुरूआती तैयारियों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके साथ ही, भारत की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और सेशेल्स के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच जन औषधि योजना को लेकर समझौता हुआ है। इससे सेशेल्स के नागरिकों को भारत की सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं मिल सकेंगी। भारत ने सेशेल्स को छह एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा है। भारतीय एक्जिम बैंक के साथ एक व्यापक लाइन ऑफ क्रेडिट समझौता भी किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा केंद्र का डिजिटल शिलान्यास किया गया। साथ ही, दोनों देशों के राजनयिक प्रशिक्षण संस्थानों और कृषि अनुसंधान के बीच भी समझौते हुए हैं।

पीएम मोदी के दौरे की पांच बड़ी बातें क्या?

साझा घर की सुरक्षाः दोनों देशों ने माना कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है। इसकी सुरक्षा और समृद्धि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

महासागर विजनः यह दृष्टिकोण भारत की 'महासागर' नीति का मुख्य हिस्सा है। इसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देना है।

अटूट रक्षा संबंधः पीएम मोदी ने रेखांकित किया कि भारत और सेशेल्स की रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई है।

आर्थिक मजबूतीः भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को और अधिक लचीला बनाया जाएगा।

डिजिटल इंडिया की मददः भारत अपनी सफल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) तकनीक को सेशेल्स के साथ साझा करेगा।

क्या समुद्री सुरक्षा से थमेगा सीमा पार अपराध?

राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने भी समुद्री सुरक्षा को द्विपक्षीय संबंधों का मुख्य केंद्र बताया। दोनों देशों ने समुद्री डकैती, ड्रग तस्करी, अवैध शिकार और सीमा पार अपराधों से मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,652.66 करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा पर भी आगे चर्चा हुई।

इससे पहले, स्टेट हाउस में पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया। यह दौरा बेहद ऐतिहासिक समय पर हो रहा है। सेशेल्स अपनी आजादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। साथ ही, दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के भी 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं। पीएम मोदी इस राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पटना स्कूल रीओपनिंग पर लगा ब्रेक! मौसम के चलते जिला मजिस्ट्रेट ने बदला अपना फैसला, अब कब तक रहेगी छुट्टी ?

(जीएनएस)।

पटना में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला लिया है। बढ़ते तापमान के कारण छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को ध्यान में रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने कक्षा 8 तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 30 जून तक बंद रखने का आदेश जारी किया है।

पहले ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूलों के दोबारा खुलने की तैयारी थी, लेकिन मौसम की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने छुट्टियां बढ़ाने का फैसला लिया। इस दौरान स्कूलों को आदेश का पूरी तरह पालन करना होगा। वहीं, बड़ी कक्षाओं के छात्रों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित न हो, इसके लिए उनके लिए अलग व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन का कहना है कि बच्चों को लू, डिहाइड्रेशन और तेज गर्मी से होने वाली दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाना इस फैसले का मुख्य उद्देश्य है।

30 जून तक बंद रहेंगे कक्षा 8 तक के स्कूल

जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, कक्षा 8 तक के सभी सरकारी और निजी स्कूल अब 30 जून तक बंद रहेंगे। पहले संभावना थी कि ग्रीष्मावकाश खत्म होने के बाद 29 जून से स्कूल फिर से खुल जाएंगे, लेकिन मौसम में कोई राहत नहीं मिलने के कारण यह फैसला बदल दिया गया। प्रशासन ने साफ किया है कि सभी स्कूलों को इस आदेश का सख्ती से पालन करना होगा।

लगातार बढ़ रहा है तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, पटना और आसपास के इलाकों में पिछले कई दिनों से तापमान सामान्य से काफी ऊपर बना हुआ है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं, जिससे बच्चों के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ गया है। खासकर छोटे बच्चों में लू लगने, शरीर में पानी की कमी होने और गर्मी से जुड़ी दूसरी परेशानियों की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं चलेंगी

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश केवल कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों पर लागू होगा। कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई जारी रहेगी, लेकिन स्कूल केवल सुबह 11 बजे तक ही संचालित किए जा सकेंगे। सभी स्कूलों को अपने टाइम टेबल में जरूरी बदलाव करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि छात्र तेज धूप के समय तक स्कूल में न रहें।

प्री-स्कूल भी रहेंगे बंद

आदेश के मुताबिक यह व्यवस्था 22 जून 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में सभी प्री-स्कूल भी बंद रहेंगे। जिला प्रशासन ने स्कूल प्रबंधन से कहा है कि वे छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें और गर्मी से बचाव के लिए जरूरी सभी इंतजाम सुनिश्चित करें। यदि मौसम की स्थिति में बदलाव होता है तो आगे की जानकारी अलग से जारी की जाएगी।

रामलला के 'चोरों' से वकीलों ने फेरा मुंह! 8 आरोपियों की कस्टडी आज खत्म, अब कानूनी मदद मिलना मुश्किल

(जीएनएस)।

अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों के चढ़ावे की चोरी और हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों की मुश्किलें सोमवार को काफी बढ़ सकती हैं। इस बड़े मामले में लोकल वकीलों ने कड़ा रुख अपना लिया है, जिससे अब आरोपियों को स्थानीय स्तर पर कानूनी मदद मिलना नामुमकिन लग रहा है। फैजाबाद बार एसोसिएशन ने फैसला किया है कि उनका कोई भी वकील कोर्ट में इन आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा।

बार एसोसिएशन की तरफ से सोमवार सुबह बुलाई गई एक जरूरी मीटिंग में इस फैसले पर आखिरी मुहर लगा दी जाएगी। सबसे बड़ी बात यह है कि सोमवार को ही इन सभी आरोपियों की तीन दिन की न्यायिक हिरासत (जुडिशियल कस्टडी) भी खत्म हो रही है। कोर्ट में पेशी और पुलिस रिमांड की अर्जी पर सुनवाई से ठीक पहले वकीलों का यह सामूहिक फैसला आरोपियों के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस पूरे मामले को लेकर अयोध्या के वकीलों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। वकीलों का मानना है कि आस्था के सबसे बड़े केंद्र और रामलला के चढ़ावे में हेराफेरी करके न सिर्फ चोरी की गई है, बल्कि करोड़ों भक्तों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई गई है। बार एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र जायसवाल ने साफ किया कि लोगों की आस्था को चोट पहुंचाने वाले इस काम के विरोध में ज्यादातर वकील इन आरोपियों की पैरवी नहीं करना चाहते।

लोकल वकीलों में कितना गुस्सा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ सीनियर वकील अब प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सीनियर वकील राजेंद्र चौधरी ने कहा कि इस घटना से दुनियाभर में अयोध्या का नाम खराब हुआ है, इसलिए आरोपियों पर कड़ा एक्शन लेते हुए उनके खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, वकील विवेक कुमार सिंह का कहना है कि आरोपियों को सीधे कोर्ट ले जाने की जगह पहले जनता के सामने लाया जाना चाहिए था।

कौन हैं ये आरोपी और अब तक क्या-क्या मिला?

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के आरोप में पुलिस ने जिन आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, वे सभी मंदिर के अंदर चढ़ावे के पैसों की गिनती का काम करते थे। इनमें अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रामशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव शामिल हैं। इन लोगों पर मंदिर में आने वाले सोने-चांदी, नगद रुपए और दूसरी कीमती चीजों की हेराफेरी करने का गंभीर आरोप है।

एसआईटी (SIT) की शुरूआती जांच के बाद यूपी पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने मजिस्ट्रेट के सामने सभी आठ आरोपियों के ठिकानों पर छापे मारकर करीब 79.85 लाख रुपये नगद बरामद किए हैं। इसके अलावा, इनके पास से कई संपत्तियों और जमीनों के कागज भी मिले हैं। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या ये जमीनें मंदिर के चोरी के पैसों से ही खरीदी गई थीं।

नैनीताल का बजट टूर स्पेशल पैकेज, IRCTC की बढ़िया सुविधा के साथ इतने में करें गर्मियों में पहाड़ों की सैर

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। कम्ह्ळठउ ने भीषण गर्मी से राहत पाने और पहाड़ों की ठंडी हवा का मजा लेने के लिए एक शानदार और किफायती टूर पैकेज पेश किया है। इस खास पैकेज के साथ, आप उत्तराखंड के मशहूर हिल स्टेशन नैनीताल घूम सकते हैं। यह टूर हर गुरुवार लखनऊ (LJN) से रवाना होगा।

ट्रेन और सफर की जानकारी

यह यात्रा लखनऊ और काठगोदाम के बीच (छखठ-ङक्ष्ट एॅस्र, 15043) होगी, जो रात 11:25 बजे रवाना होगी। वापसी की यात्रा में, ट्रेन (ङक्ष्ट-छखठ एॅस्र, 15044) काठगोदाम से सुबह 11:15 बजे रवाना होगी और शाम 7:20 बजे

लखनऊ पहुंचेगी। यात्रियों को ट्रेन के थर्ड इकोनॉमी (3E) क्लास में कन्फर्म टिकट दिए जाएंगे। IRCTC ने इस पैकेज के किराए को दो अलग-अलग अवधियों (सीजन) के आधार पर तय किया है।

पैकेज की कीमतें और सीजन (प्रति व्यक्ति खर्च)

पीक पीरियड (31 मार्च से 4 जुलाई, अगस्तझनवंबर और दिसंबरझजनवरी)

ट्रिपल शेयरिंगः ₹13,900

डबल शेयरिंगः ₹17,450

सिंगल बुकिंगः ₹31,800

कम भीड़ वाला समय (जुलाईझअगस्त, नवंबरझ दिसंबर और जनवरीझमार्च)

ट्रिपल शेयरिंगः ₹11,700

डबल शेयरिंगः ₹14,900

सिंगल बुकिंगः ₹27,050

पैकेज में क्या-क्या है शामिल?

इस बजट पैकेज के तहत, यात्रियों को नैनीताल के 'डायनेस्टी रिजॉर्ट' या इसी तरह के किसी होटल (नॉन-अउ कमरा) में तीन रातें बिताने का मौका मिलेगा। होटल में रोजाना नाश्ता और रात का खाना (MAP प्लान) शामिल है। आस-पास घूमने-फिरने के लिए नॉन-अउ गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाएगा, जो शेयरिंग के आधार पर होंगी।

कृपया ध्यान दें कि एंट्री फीस, बोटिंग का खर्च, निजी खर्च और पहले दिन का नाश्ता पैकेज की कीमत में शामिल नहीं हैं। हर ट्रिप के लिए सिर्फ 10 सीटें उपलब्ध हैं।